भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2059

दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

.....

आगरा में यमुना नदी के अनुप्रवाह में बैराज का निर्माण

2059. श्री राजकुमार चाहर:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आगरा में यमुना नदी के अनुप्रवाह में बैराज के निर्माण का प्रस्ताव सरकार या उसके किसी विभाग या विशेषज्ञ निकाय के समक्ष विचाराधीन है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह कब से लंबित है तथा इसके क्या कारण अथवा आपत्तियाँ हैं;

(ग) क्या सरकार को जानकारी है कि उक्त बैराज के निर्माण से भूजल स्तर में वृद्धि, हरियाली को बढ़ावा और ताजमहल, मेहताब बाग, एत्मादुद्दौला, राम बाग और जसवंत सिंह की छतरी जैसे स्मारकों के प्राकृतिक और पर्यावरणीय मूल्य में वृद्धि होगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार आगरा में नौकायन, जलयात्रा और सतत नदी तट विकास को सक्षम बनाने के लिए ऐसे बैराज की क्षमता का आकलन और संवर्धन करने का विचार रखती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (घ):

i. उत्तर प्रदेश सरकार के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग (आईडब्ल्यूआरडी) ने आगरा में यमुना नदी पर ताजमहल के अनुप्रवाह में एक रबर बांध के निर्माण के लिए गंगा नदी (पुनरूद्धार, संरक्षण और प्रबंधन) प्राधिकरण आदेश, 2016 की धारा 42 के तहत अनुमोदन मांगते हुए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है;

ii. ऐसे प्रस्ताव प्राप्त होने पर, एनएमसीजी अनुमोदन प्रदान करने से पहले, नदी की आकृति विज्ञान, परिवेशी पर्यावरण, प्रस्तावित संरचनाओं की **संरचनात्मक अखंडता** आदि पर संभावित प्रभावों का आकलन करने के लिए विस्तृत जाँच करता है। इस समीक्षा में, संबंधित विभागों और एजेंसियों से प्राप्त वैधानिक मंज़ूरियों की स्थिति पर भी विचार किया जाता है।

iii. आईडब्ल्यूआरडी, उत्तर प्रदेश को प्रस्तावित रबर बांध के माध्यम से पानी रोकने के कारण ताजमहल की नींव और **संरचनात्मक अखंडता** पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का विस्तृत वैज्ञानिक मूल्यांकन और जल भूवैज्ञानिक अध्ययन करने की सलाह दी गई है, साथ ही नदी में निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र का विवरण भी प्रस्तुत करने को कहा गया है ताकि पानी की गुणवत्ता से निपटा जा सके।

*****